Angst

Soumya Yadav

February, 2024

रातें बदल रही हैं
अब ये फर्क नहीं पड़ता
रात बड़ी है या छोटी
क्योंकि अब छोटे-छोटे सूरज
रात को बना देते हैं आर्टिफिशियल दिन

रात के साथ–साथ बदल रहे हैं
आदमियों के सोने के नियम
कुछ सदियों पहले
सोने के नियम आश्रित थे रात और दिन पर
मगर अब आश्रित होते जा रहे हैं
आदमी का जी नोचते पूंजीवाद पर

आदमी भी होते जा रहे हैं
आर्टिफिशियल
उनकी भावनाएं तड़प रही हैं
मन के कुएं में
या यूं कहें कि मशीन के कुएं में
छटपटा रही हैं।

आर्टिफिशियल आदमी नहीं देख सकता
आदमी की भावनाएं।

Link: https://youtu.be/fGddlLVDPLA